NEWS CLIPPING:28.10.2021

DAINIK JAGRAN

सीएम की आउट आफ बाक्स थिंकिंग

जोगिया सब जानता है

बिजेंद्र बंसल

मुख्यमंत्री मनोहर लाल कई बार आउट आफ बाक्स थिंकिंग का उदाहरण पेश कर देते हैं। आउट आफ बाक्स थिंकिंग यानी लीक से हटकर सोचना। ऐसा ही एक आइडिया उन्होंने फरीदाबाद स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों के कार्यक्रम में दिया है। वह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। सीएम ने पूर्व छात्रों से अपने विश्वविद्यालय को एक तरह से गोद लेने का आग्रह किया। मनोहर लाल ने उन्हें सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय बिना सरकारी अनुदान के चलाएं। उन्होंने जानकारी दी कि विश्वविद्यालय प्रति वर्ष 24 करोड़ रुपये अनुदान प्रदेश सरकार से लेता है। यदि विश्वविद्यालय प्रबंधन अपने पूर्व के 48 सत्रों में उत्तीर्ण होकर गए छात्रों में से प्रति सत्र 500 छात्र चयनित कर ले तो कुल छात्र हुए 24 हजार। इनसे यदि साल में 20-20 हजार रुपये गुरुदक्षिणा के रूप में विश्वविद्यालय को मिलेगा तो 48 करोड़ एकत्र हो जाएंगे और अनुदान की आवश्यकता नहीं होगी।

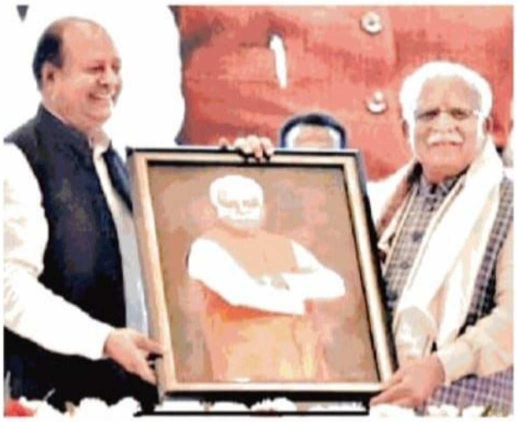

विश्वविद्यालय को शून्य बजट पर चलाने का मंत्र लेने के बाद मुख्यमंत्री मनोहर लाल को सम्मानित करते हुए जेसी बोस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर दिनेश अग्रवाल। ● जागरण आर्काइव

घड़ी बेकार की चीज है

गुरुग्राम के सोहना क्षेत्र के गांव सरमथला रैली में मनोहर लाल ने घोषणा की है कि बायोमीट्रिक हाजिरी लगाने के साथ अब प्रत्येक सरकारी कर्मचारी को ऐसी हाथ में बांधने वाली स्मार्ट घड़ी दी जाएगी जिसमें जीपीएस लगा होगा। इससे कार्यदिवस व कार्यालय की समयावधि के दौरान सरकारी कर्मचारी की लोकेशन का पता लगाया जा सकेगा। कर्मचारी समझ नहीं पा रहे हैं कि मुख्यमंत्री ने उन्हें यह उपहार दिया है या मुसीबतों का हार। बायोमीट्रिक हाजिरी ही होती तो जुगाड़ कर लेते। दफ्तर आए। हाजिरी लगाई और फिर बाजार में या कैंटीन में। घर नजदीक हुआ तो जाकर घर की सुपर बास के हाथों की चाय पीते थे। बच्चों के स्कूल का समय होता था। वे भी घर नहीं रहते। सब कुछ अच्छा चल रहा था। लेकिन घड़ी मिल गई तो इसपर प्रतिबंध लग जाएगा। इसलिए कह रहे हैं कि घड़ी है तो बेकार चीज, लेकिन लेनी तो पड़ेगी ही।

भाव में अंतर के लिए भावांतर का सहारा

राजनीति में तो अक्सर ऐसा होता है कि जब अपने भावों के अनुसार कार्य नहीं होता है तो व्यक्ति के भाव में अंतर आ जा जाता है। चौधरी बीरेंद्र सिंह को ही लें। पहले भाजपा के प्रति गजब का अनुरागसिक्त भाव रखते थे। मोदी कैबिनेट में मंत्री बने। कहते थे कि जो कांग्रेस ने चालीस साल में नहीं दिया, भाजपा ने चार महीने में दे दिया। लेकिन अब चौधरी साहब के भावों में अंतर आ गया है। उन्होंने बेटे बृजेंद्र को हिसार से लोकसभा का टिकट दिलाया। चाह रहे थे बेटा मंत्री बन जाए। नहीं बना तो अब कभी इनेलो के मंच पर चले जाते हैं तो कभी कृषि सुधार कानून विरोधी का आंदोलन का समर्थन करते हैं। फिलवक्त बाजरे की सरकारी खरीद के लिए लागू भावांतर भरपाई योजना का विरोध करने में जुटे हैं। अब भाव में अंतर लाने के लिए कुछ तो चाहिए ही, भावांतर ही सही।

सूर्य अस्त के बाद साहब गुरुग्राम में व्यस्त

प्रदेश के 22 जिलों में से एक है नूंह। नीति आयोग के आंकड़ों में देश के अति पिछड़े इस जिले की जमीनी सच्चाई यह है कि इसके गठन से लेकर अब तक तीन बार इसका नाम बदल चुका है। जिले में काम करने के लिए कोई स्थायी अधिकारी नहीं मिल पाता है। सरकार को यहां जिला उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, एसडीएम और डीएसपी स्तर के अधिकारी लगाने के लिए मशक्कत करनी होती है। इन पदों पर तैनात अधिकारियों का मुख्यालय पर रहना जरूरी है। यह बात अलग है कि यहां अनुभव बढ़ाने की चाह में आने वाले अधिकारी भी अपने परिवार को नजदीक लगते फरीदाबाद, गुरुग्राम में ही रखते हैं। इसलिए सारा काम मातहत अधिकारियों के भरोसे रहता है। दिलचस्प यह कि मातहत अधिकारियों का परिवार भी गुरुग्राम या फरीदाबाद में रहता है। सो, साहब लोग शाम होते ही नूंह से निकल लेते हैं और कनिष्ठ अधिकारी ही रह जाते हैं।

NEWS CLIPPING:28.10.2021

DAINIK JAGRAN

समझौता : शुरू होंगे नए पाठ्यक्रम

जेसी बोस विश्वविद्यालय

वि. फरीदाबाद : जेसी बोस (वाईएमसीए) विश्वविद्यालय ने शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के साथ समझौता किया है। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास भारतीय शिक्षा एवं संस्कृति के उत्थान के लिए कार्यरत संगठन है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी के साथ समझौते का आदान-प्रदान किया। प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 शिक्षा प्रणाली में भारतीयता को पुनः स्थापित करने के उद्देश्य से लागू की गई है। इसमें एक विद्यार्थी के संपूर्ण व्यक्तित्व निर्माण पर बल दिया गया है। इसके अलावा, यह विद्यार्थियों के बीच गणितीय सोच और वैज्ञानिक स्वभाव को विकसित करने के लिए भी प्रोत्साहित करती है। नीति को सही मायने में लागू करने के लिए भारतीय मूल्य आधारित पाठ्यक्रम शुरू करना आवश्यक है।

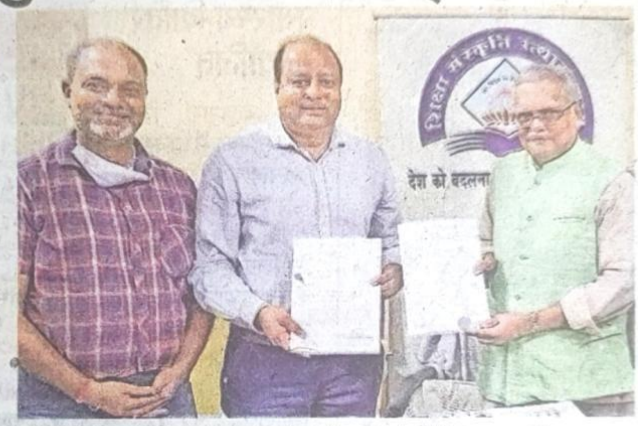

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव श्री अतुल कोठारी के साथ समझौते का आदान-प्रदान करते हुए कुलपति प्रो दिनेश कुमार • यूनिवर्सिटी पीआरओ

यह सिद्ध हो चुका है कि वैदिक गणित के अभ्यास से तर्कशक्ति, विश्लेषण और संश्लेषण क्षमता में वृद्धि होती है, जो शोध के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने भारतीय मूल्य प्रणाली पर आधारित चरित्र निर्माण, व्यक्तित्व विकास और वैदिक गणित जैसे नए पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया है। अतुल कोठारी ने कहा कि न्यास का उद्देश्य मूल्य आधारित पाठ्यक्रम के माध्यम से शिक्षा प्रणाली में भारतीय मूल्यों को सम्मिलित करते हुए वर्तमान शिक्षा प्रणाली का भारतीयकरण करना है। शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों में यह भावना पैदा करना होना चाहिए कि राष्ट्र के प्रति उनकी जिम्मेदारी क्या है। वैदिक गणित प्राचीन भारत की पुनर्खोज में महत्वपूर्ण साधन साबित हो सकता है।

NEWS CLIPPING:28.10.2021

HINDUSTAN

अगले सत्र से वैदिक गणित के नए पाठ्यक्रम शुरू होंगे

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

जेसी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में वैदिक गणित और चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास जैसे नए पाठ्यक्रम नए सत्र से शामिल होंगे। इसके लिए बुधवार को विश्वविद्यालय प्रशासन ने शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के साथ एक समझौता किया है। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास भारतीय शिक्षा एवं संस्कृति के उत्थान के लिए कार्यरत संगठन है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो दिनेश कुमार और शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी ने समझौते को एक-दूसरे के साथ आदान-प्रदान किया। न्यास इन पाठ्यक्रमों को हिंदी के साथ-साथ अंग्रेजी भाषा में संचालित करने में विश्वविद्यालय की मदद करेगा और विषय विशेषज्ञ, पाठ्यक्रम सामग्री और मूल्यांकन प्रक्रिया के लिए सहायता प्रदान करेगा। इस मौके पर वक्ताओं ने दावा किया कि नए पाठ्यक्रमों को शिक्षा प्रणाली में शामिल करने से वर्तमान शिक्षा प्रणाली का भारतीयकरण करना उद्देश्य है। शिक्षा का उद्देश्य छात्रों में यह भावना पैदा करना कि राष्ट्र या समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी क्या है? शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी ने दावा किया कि वैदिक गणित से जटिल अंकगणितीय गणनाएं अत्यंत ही सरल और सहज व त्वरिता से संभव हैं। सरल शब्दों में कहा जाए तो वैदिक गणित की मदद से सवाल में ही छुपे जवाब का पता लगा सकते हैं।

NEWS CLIPPING:28.10.2021

AMAR UJALA

जेसी बोस विवि नए पाठ्यक्रम शुरू करेगा

फरीदाबाद। व्यक्तित्व विकास और वैदिक गणित जैसे विषयों को पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए ने शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के साथ समझौता किया है। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास भारतीय शिक्षा एवं संस्कृति के उत्थान के लिए कार्यरत संगठन है।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार को शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी के साथ समझौते का आदान-प्रदान किया। कुलपति ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 शिक्षा प्रणाली में भारतीयता को पुनः स्थापित करने के उद्देश्य से लागू की गई है। इसमें एक विद्यार्थी के संपूर्ण व्यक्तित्व निर्माण पर बल दिया गया है। ब्यूरो

NEWS CLIPPING:28.10.2021

NAVBHARAT TIMES

3 दिवसीय सम्मेलन शुरू

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : जेसी बोस यूनिवर्सिटी के भौतिक विज्ञान विभाग की तरफ से 3 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन मंगलवार से शुरू किया गया है। इस मौके पर नीदरलैंड की ट्वेंटी यूनिवर्सिटी से प्रफेसर एचजेडब्ल्यू जांडवलियट, कुलपति प्रफेसर दिनेश, प्रफेसर आरके कोटनाला, डॉ. अनुराधा शर्मा मौजूद रहीं। कार्यक्रम में दुनियाभर से लगभग 270 प्रतिभागियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है।

N.B.T - 28/10/21